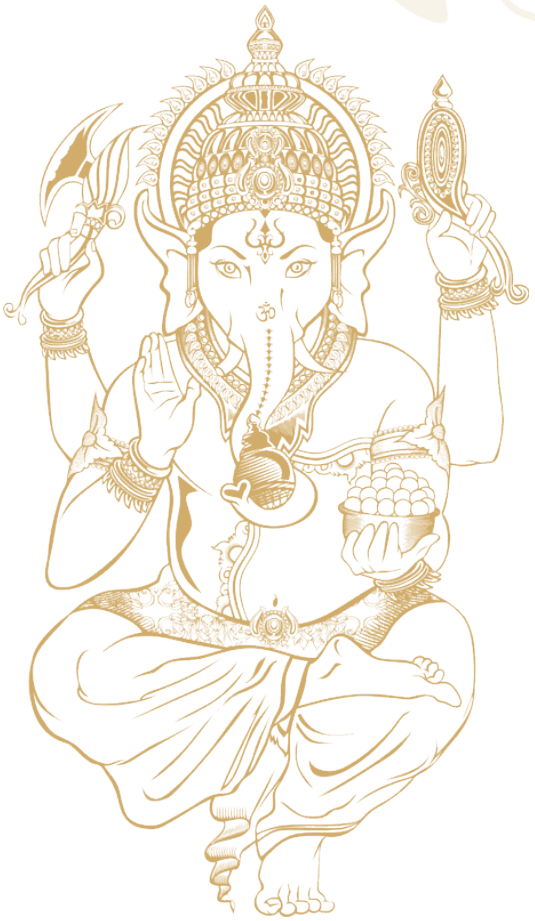

S

24 Jan 1977

09:33 PM

Dispur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121786404

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24/01/1977**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:33:00 घंटे**
इष्ट	38:08:36 घटी
स्थान	**Dispur**
राज्य	Assam
देश	India

अक्षांश	28:03:00 उत्तर
रेखांश	91:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:10:28 घंटे
वेलान्तर	-00:12:06 घंटे
साम्पातिक काल	06:25:54 घंटे
सूर्योदय	06:17:33 घंटे
सूर्यास्त	16:55:51 घंटे
दिनमान	10:38:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	11:01:54 मकर
लग्न के अंश	12:11:41 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शिव
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झनक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:11:41	319:20:13	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मक	11:01:54	01:01:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	13:01:30	12:17:54	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
मंगल		अ	धनु	24:19:06	00:45:47	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध			धनु	16:39:07	00:45:29	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			मेष	27:46:49	00:01:54	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	28:02:09	01:00:57	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	20:36:30	00:04:48	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	04:34:16	00:02:34	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	04:34:16	00:02:34	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			तुला	18:02:34	00:01:10	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
नेप			वृश्चि	21:51:16	00:01:38	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
प्लूटो	व		कन्या	20:37:50	00:00:18	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	12:24:29	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:22

लग्न-चलित

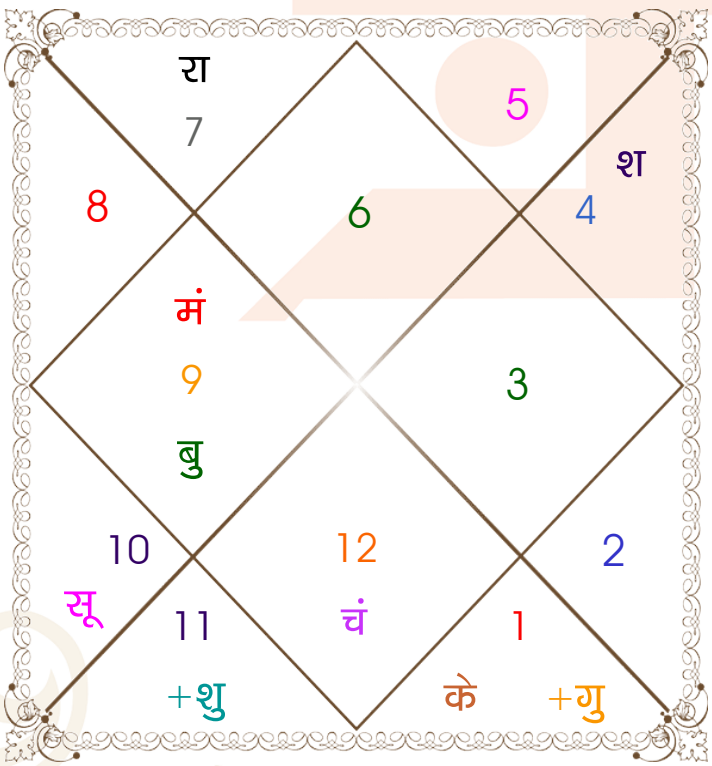

चन्द्र कुंडली

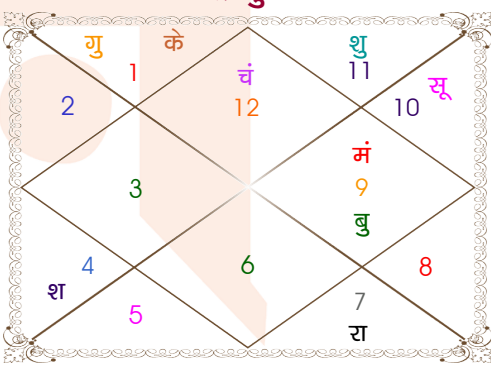

नवमांश कुंडली

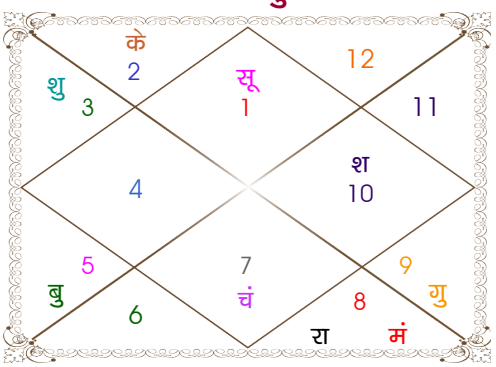

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 2 मास 8 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/01/1977		04/04/1982		04/04/1999		04/04/2006		04/04/2026	
04/04/1982		04/04/1999		04/04/2006		04/04/2026		03/04/2032	
	00/00/0000	बुध	30/08/1984	केतु	31/08/1999	शुक्र	03/08/2009	सूर्य	22/07/2026
	00/00/0000	केतु	28/08/1985	शुक्र	30/10/2000	सूर्य	04/08/2010	चंद्र	21/01/2027
	00/00/0000	शुक्र	28/06/1988	सूर्य	07/03/2001	चंद्र	03/04/2012	मंगल	29/05/2027
	00/00/0000	सूर्य	04/05/1989	चंद्र	06/10/2001	मंगल	03/06/2013	राहु	22/04/2028
	00/00/0000	चंद्र	03/10/1990	मंगल	04/03/2002	राहु	03/06/2016	गुरु	08/02/2029
	00/00/0000	मंगल	01/10/1991	राहु	23/03/2003	गुरु	02/02/2019	शनि	21/01/2030
	24/01/1977	राहु	19/04/1994	गुरु	27/02/2004	शनि	04/04/2022	बुध	27/11/2030
राहु	22/09/1979	गुरु	25/07/1996	शनि	07/04/2005	बुध	02/02/2025	केतु	04/04/2031
गुरु	04/04/1982	शनि	04/04/1999	बुध	04/04/2006	केतु	04/04/2026	शुक्र	03/04/2032

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
03/04/2032		04/04/2042		04/04/2049		04/04/2067		04/04/2083	
04/04/2042		04/04/2049		04/04/2067		04/04/2083		00/00/0000	
चंद्र	02/02/2033	मंगल	31/08/2042	राहु	16/12/2051	गुरु	22/05/2069	शनि	07/04/2086
मंगल	03/09/2033	राहु	18/09/2043	गुरु	10/05/2054	शनि	04/12/2071	बुध	15/12/2088
राहु	05/03/2035	गुरु	24/08/2044	शनि	16/03/2057	बुध	10/03/2074	केतु	24/01/2090
गुरु	04/07/2036	शनि	03/10/2045	बुध	04/10/2059	केतु	14/02/2075	शुक्र	25/03/2093
शनि	02/02/2038	बुध	30/09/2046	केतु	21/10/2060	शुक्र	15/10/2077	सूर्य	07/03/2094
बुध	04/07/2039	केतु	27/02/2047	शुक्र	22/10/2063	सूर्य	04/08/2078	चंद्र	07/10/2095
केतु	02/02/2040	शुक्र	28/04/2048	सूर्य	15/09/2064	चंद्र	04/12/2079	मंगल	15/11/2096
शुक्र	03/10/2041	सूर्य	03/09/2048	चंद्र	17/03/2066	मंगल	08/11/2080	राहु	24/01/2097
सूर्य	04/04/2042	चंद्र	04/04/2049	मंगल	04/04/2067	राहु	04/04/2083		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 2 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।